Eco.
Sem-1

माँग विश्लेषण
Demand Analysis

1. वस्तु की कीमत – किसी वस्तु की माँग उसकी कीमत पर निर्भर करती है।

- वस्तु की कीमत में और माँग में विपरीत संबंध होता है।
- माँग रेखा का ढाल ऋणात्मक होता है। जिसका अर्थ है यदि
- कीमत बढ़ती है तो माँग घटती है और कीमत घटती है तो माँग बढ़ती है।

रेखाचित्र निम्नवत् है :-

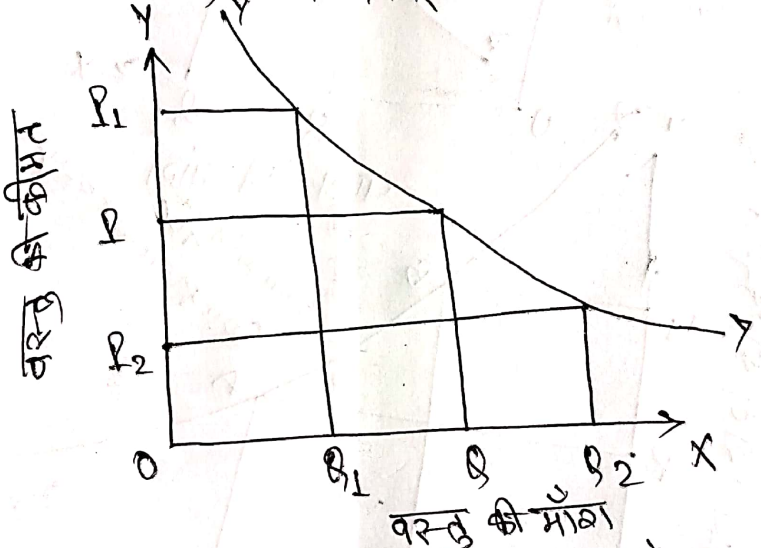

- वस्तु की कीमत के OP से OP_2 कम होने पर माँग OQ से बढ़कर OQ_2 हो गई है।
- कीमत बढ़कर OP से OP_1 होने पर माँग OQ से कम होकर OQ_1 हो गई है।

2. संबंधित वस्तु की कीमत
   → स्थानापन्न या प्रतियोगी वस्तुएं → ये वे वस्तुएँ हैं जो एक-दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त हो सकती हैं। जैसे – चाय और कॉफी।
   → पूरक वस्तुएं (Complementary Goods) – किसी एक आवश्यकता को संतुष्ट करने के लिए यदि दोनों वस्तुओं की माँग संयुक्त रूप से की जाती है तो पूरक वस्तुएं कहलाती हैं।

Scanned with OKEN Scanner

- पूरक वस्तु में किसी एक वस्तु के मूल्य बढ़ जाने पर दूसरी वस्तु की माँग स्वतः घट जायेगी। उदाहरण - डबल रोटी और मक्खन।

- प्रतिस्थापन वस्तुओं के मामले में माँग वक्र का ढलान धनात्मक होता है

- पूरक वस्तुओं के मामले में माँग वक्र का ढलान ऋणात्मक होता है।

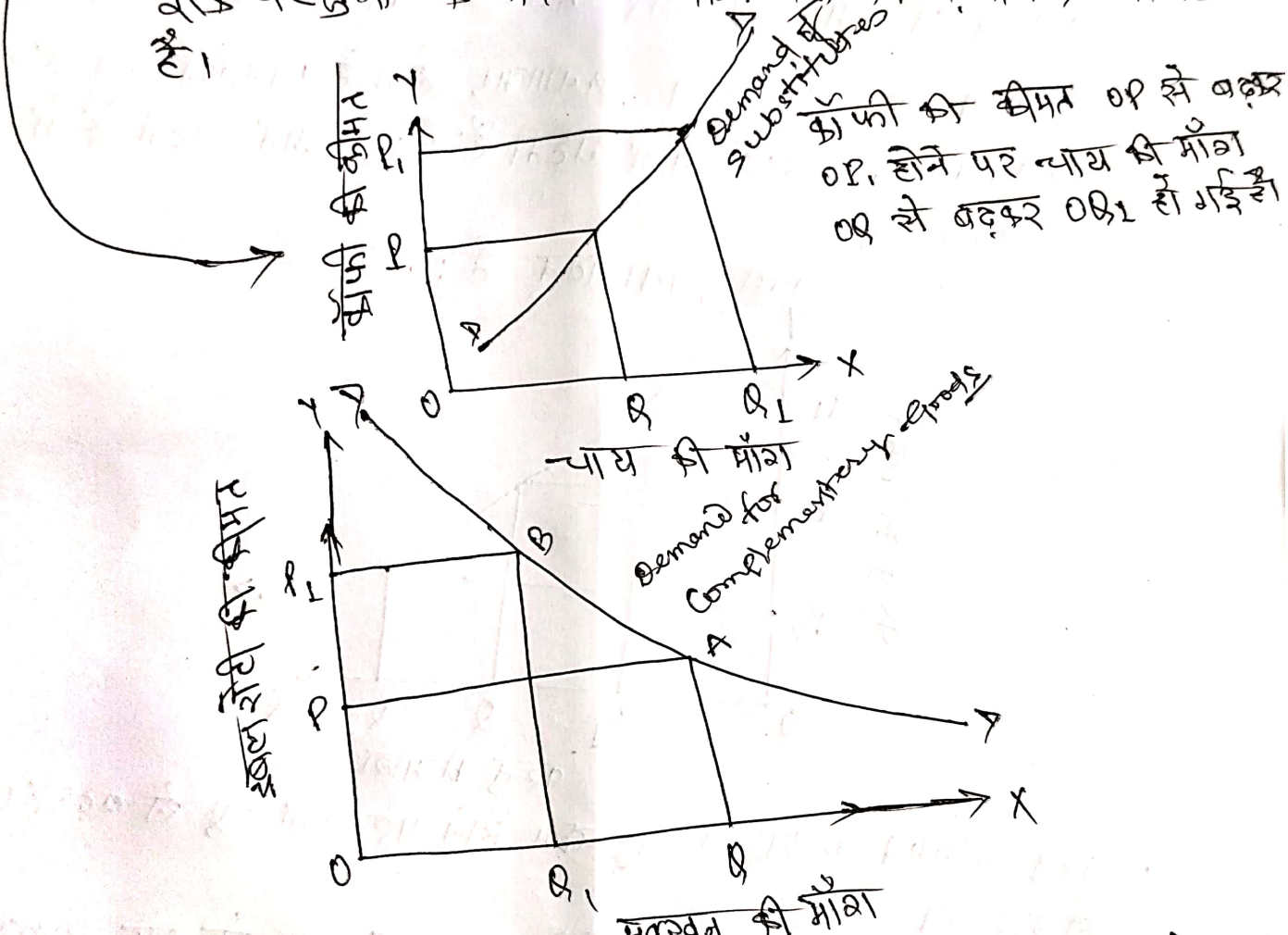

कॉफी की कीमत OP से बढ़कर OP1 होने पर चाय की माँग OQ से बढ़कर OQ1 हो गई है।

डबल रोटी की कीमत OP से OP1 बढ़ने पर मक्खन की माँग OQ से कम होकर OQ1 हो गयी है।

3. उपभोक्ता की आय (Income of consumers)

→ अनिवार्य वस्तुएं - आय बढ़ने से अनिवार्य वस्तुओं की माँग एक सीमा तक ही बढ़ती है। जैसे - गेहूं।

→ निकृष्ट वस्तुएँ → आय बढ़ने के साथ-साथ निकृष्ट वस्तु की माँग कम होती है।

→ विलासिता की वस्तुएँ → आय बढ़ने के साथ-साथ विलासिता की वस्तुएँ की माँग बढ़ती है।

Scanned with OKEN Scanner

- उपभोक्ता की रुचि – रुचि और फैशन में परिवर्तन हो जाने से माँग में परिवर्तन हो जाता है।

- ऋतु में परिवर्तन → ऋतु परिवर्तन के साथ ही माँग में परिवर्तन हो जाती है।

- जनसंख्या में परिवर्तन → जनसंख्या में परिवर्तन से वस्तुओं की माँग में भी परिवर्तन हो जाता है।

- जनसंख्या की संरचना में परिवर्तन – जैसे यदि किसी क्षेत्र के सभी युवक सेना में भर्ती हो जाय तो उन वस्तुओं की माँग कम हो जायेगी जिन्हें युवक सेना में भर्ती होने से पहले खरीदते थे।

- मुद्रा की मात्रा में परिवर्तन –
  मुद्रा की मात्रा बढ़ने पर – मूल्य-स्तर ऊँचा
  माँग कम

- राष्ट्रीय धन का वितरण – राष्ट्रीय धन का वितरण के कारण भी माँग प्रभावित होती है।

- व्यापार-चक्र की अवस्था –
  तेजी काल → ~~[illegible]~~ मौद्रिक आय बढ़ना → माँग में वृद्धि

- बचत करने की प्रवृत्ति में परिवर्तन – बचत की प्रवृत्ति से भी माँग प्रभावित होती है।

- संयुक्त माँग वाली वस्तुओं के मूल्य में परिवर्तन।

Dr. Satish Kumar
Asst. Professor
Dept. of ECO.
U.R. College, Rosera
Sub- ECO.
TOPIC - Demand
Sem - 1

Scanned with OKEN Scanner